SURAH AL-BAQARAH · 2:255

آيَةُ الْكُرْسِيِّ

आयतुल कुर्सी हिंदी में

بِسْمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحْمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

ٱللَّهُ لَآ إِلَٰهَ إِلَّا هُوَ ٱلْحَىُّ ٱلْقَيُّومُ ۚ لَا تَأْخُذُهُۥ سِنَةٌ وَلَا نَوْمٌ ۚ لَّهُۥ مَا فِى ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَمَا فِى ٱلْأَرْضِ ۗ مَن ذَا ٱلَّذِى يَشْفَعُ عِندَهُۥٓ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ ۚ يَعْلَمُ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ ۖ وَلَا يُحِيطُونَ بِشَىْءٍ مِّنْ عِلْمِهِۦٓ إِلَّا بِمَا شَآءَ ۚ وَسِعَ كُرْسِيُّهُ ٱلسَّمَٰوَٰتِ وَٱلْأَرْضَ ۖ وَلَا يَـُٔودُهُۥ حِفْظُهُمَا ۚ وَهُوَ ٱلْعَلِىُّ ٱلْعَظِيمُ ﴿٢٥٥﴾

हिंदी उच्चारण

अल्लाहु ला इला-ह इल्ला हु-व, अल-हय्युल क़य्यूम। ला तअ्ख़ुज़ुहू सि-नतुंव-व ला नौम। लहू मा फ़िस्समावाति व मा फ़िल-अर्ज़। मन ज़ल्लज़ी यशफ़उ इन्दहू इल्ला बि-इज़्निह। यअ्लमु मा बै-न ऐदीहिम व मा ख़ल्फ़हुम, व ला युहीतू-न बि-शैइम्-मिन इल्मिही इल्ला बिमा शा-अ। वसि-अ कुर्सिय्युहुस-समावाति वल-अर्ज़, व ला यऊदुहू हिफ़्ज़ुहुमा, व हुवल अलिय्युल अज़ीम।

हिंदी तर्जुमा

अल्लाह, उसके सिवा कोई माबूद (इबादत के लायक़) नहीं, वह हमेशा ज़िंदा है, सारी कायनात को थामे और सँभाले हुए है। उसे न ऊँघ आती है, न नींद। आसमानों और ज़मीन में जो कुछ है, सब उसी का है। कौन है जो उसकी इजाज़त के बिना उसके पास किसी की सिफ़ारिश कर सके? वह जानता है जो कुछ लोगों के आगे है और जो कुछ उनके पीछे है, और लोग उसके इल्म में से किसी चीज़ को घेर नहीं सकते, सिवाय उतने के जितना वह चाहे। उसकी कुर्सी आसमानों और ज़मीन पर छाई हुई है, और उन दोनों की हिफ़ाज़त उसे ज़रा भी नहीं थकाती। और वही सबसे बुलंद, सबसे अज़मत (बड़ाई) वाला है।

सुनें, हर लफ़्ज़ का मतलब पढ़ें, और भी फ़ॉर्मैट पाएँ:
ayatulkursi.org/hindi/

अरबी: किंग फ़हद कॉम्प्लेक्स (मदीना मुसहफ़, हफ़्स), Quran.com के ज़रिए। हिंदी उच्चारण और तर्जुमा: AyatulKursi.org।

मुफ़्त · प्रिंट करें और शेयर करें · बेचने के लिए नहीं।

इस पेज पर क़ुरआन की आयत है, इसका अदब करें।

शब्द-दर-शब्द

हर लफ़्ज़ का मतलब

ٱللَّهُ	**अल्लाहु** अल्लाह
لَآ	**ला** नहीं
إِلَٰهَ	**इला-ह** कोई माबूद
إِلَّا	**इल्ला** सिवाय
هُوَ	**हु-व** उसके
ٱلْحَيُّ	**अल-हय्युल** हमेशा ज़िंदा रहने वाला
ٱلْقَيُّومُ	**अल-क़य्यूम** सबको थामने और सँभालने वाला
لَا	**ला** नहीं
تَأْخُذُهُۥ	**तअ्ख़ुज़ुहू** पकड़ती उसे
سِنَةٌ	**सि-नतुन** ऊँघ
وَلَا	**व ला** और न
نَوْمٌ	**नौम** नींद
لَّهُۥ	**लहू** उसी का है
مَا	**मा** जो कुछ
فِي	**फ़ी** में
ٱلسَّمَٰوَٰتِ	**अस्समावाति** आसमानों
وَمَا	**व मा** और जो कुछ
فِي	**फ़ी** में
ٱلْأَرْضِ	**अल-अर्ज़** ज़मीन
مَن	**मन** कौन
ذَا	**ज़ा** है वह
ٱلَّذِي	**अल्लज़ी** जो
يَشْفَعُ	**यश्फ़उ** सिफ़ारिश करे
عِندَهُۥٓ	**इन्दहू** उसके पास
إِلَّا	**इल्ला** सिवाय
بِإِذْنِهِۦ	**बि-इज़्निह** उसकी इजाज़त से
يَعْلَمُ	**यअ्लमु** वह जानता है
مَا	**मा** जो
بَيْنَ	**बै-न** बीच में
أَيْدِيهِمْ	**ऐदीहिम** उनके हाथों के (आगे)
وَمَا	**व मा** और जो
خَلْفَهُمْ	**ख़ल्फ़हुम** उनके पीछे
وَلَا	**व ला** और नहीं
يُحِيطُونَ	**युहीतू-न** वे घेर सकते
بِشَيْءٍ	**बि-शैइन** किसी चीज़ को
مِّنْ	**मिन** में से
عِلْمِهِۦٓ	**इल्मिही** उसके इल्म
إِلَّا	**इल्ला** सिवाय
بِمَا	**बिमा** उसके जो
شَآءَ	**शा-अ** वह चाहे
وَسِعَ	**वसि-अ** छाई हुई है
كُرْسِيُّهُ	**कुर्सिय्युहु** उसकी कुर्सी
ٱلسَّمَٰوَٰتِ	**अस्समावाति** आसमानों पर
وَٱلْأَرْضَ	**वल-अर्ज़** और ज़मीन पर
وَلَا	**व ला** और नहीं
يَـُٔودُهُۥ	**यऊदुहू** थकाती उसे
حِفْظُهُمَا	**हिफ़्ज़ुहुमा** उन दोनों की हिफ़ाज़त
وَهُوَ	**व हु-व** और वह
ٱلْعَلِيُّ	**अल-अलिय्यु** सबसे बुलंद
ٱلْعَظِيمُ	**अल-अज़ीम** सबसे अज़मत वाला

कब पढ़ें

हर फ़र्ज़ नमाज़ के बाद

नबी ﷺ ने फ़रमाया: जो हर फ़र्ज़ नमाज़ के बाद आयतुल कुर्सी पढ़े, उसे जन्नत में जाने से सिर्फ़ मौत रोके हुए है। सलाम फेरने के बाद एक बार, धीमी आवाज़ में पढ़ें।

नसाई, अस-सुनन अल-कुबरा 9848

सोने से पहले

जो बिस्तर पर जाते वक़्त आयतुल कुर्सी पढ़े, उस पर सुबह तक अल्लाह की तरफ़ से एक निगहबान रहता है और शैतान उसके पास नहीं आता।

सहीह बुख़ारी 2311